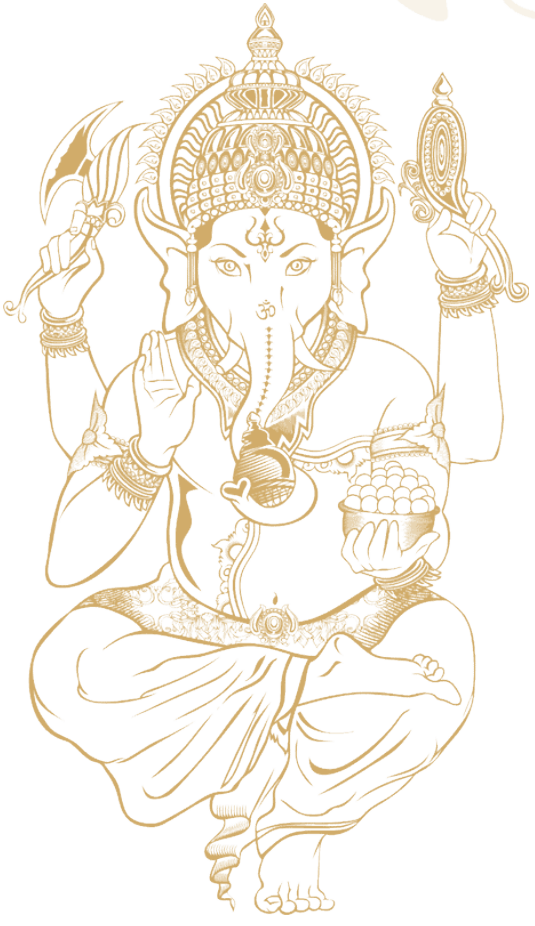

Sarita tiwari

09 Jun 1974

02:45 PM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121622408

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/06/1974**
दिन	रविवार
जन्म समय	**14:45:00 घंटे**
इष्ट	24:25:16 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:52:44 घंटे
वेलान्तर	00:00:57 घंटे
साम्पातिक काल	08:02:10 घंटे
सूर्योदय	04:58:53 घंटे
सूर्यास्त	18:44:02 घंटे
दिनमान	13:45:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	24:39:32 वृष
लग्न के अंश	03:42:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:42:43	318:01:01	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृष	24:39:32	00:57:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	14:00:14	11:50:11	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			कर्क	06:42:28	00:36:39	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			मिथु	17:23:39	00:37:56	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			कुंभ	23:06:09	00:05:13	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
शुक्र			मेष	17:01:23	01:09:52	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			मिथु	12:06:02	00:07:35	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	25:53:46	00:00:11	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
केतु			वृष	25:53:46	00:00:11	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	सम राशि
हर्ष	व		तुला	00:22:26	00:01:08	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप	व		वृश्चि	14:27:54	00:01:36	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो	व		कन्या	10:33:58	00:00:10	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	04:55:37	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:17

लग्न-चलित

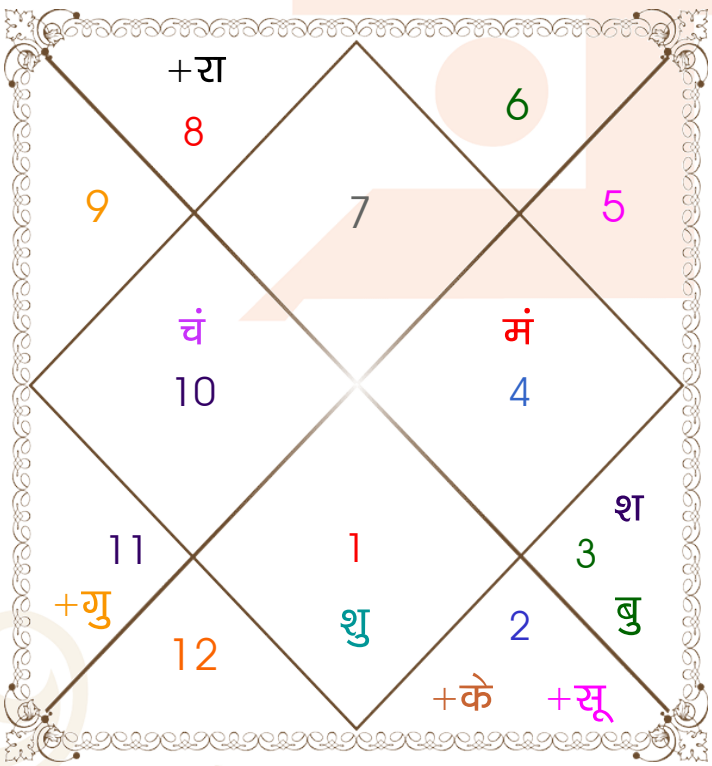

चन्द्र कुंडली

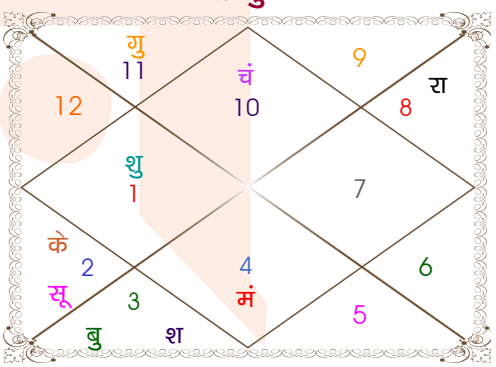

नवमांश कुंडली

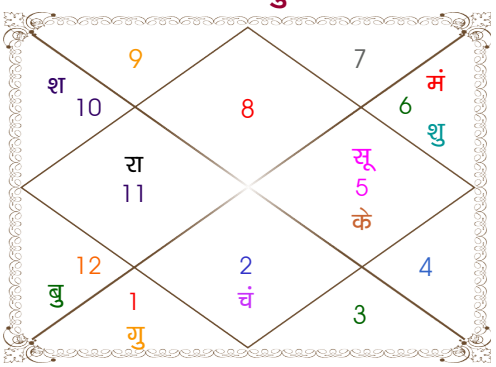

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 11 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/06/1974		08/06/1981		08/06/1988		08/06/2006		08/06/2022	
08/06/1981		08/06/1988		08/06/2006		08/06/2022		08/06/2041	
	00/00/0000	मंगल	04/11/1981	राहु	19/02/1991	गुरु	26/07/2008	शनि	11/06/2025
	00/00/0000	राहु	22/11/1982	गुरु	14/07/1993	शनि	07/02/2011	बुध	19/02/2028
	09/06/1974	गुरु	29/10/1983	शनि	20/05/1996	बुध	14/05/2013	केतु	30/03/2029
गुरु	08/09/1975	शनि	07/12/1984	बुध	08/12/1998	केतु	20/04/2014	शुक्र	29/05/2032
शनि	08/04/1977	बुध	04/12/1985	केतु	26/12/1999	शुक्र	19/12/2016	सूर्य	11/05/2033
बुध	07/09/1978	केतु	03/05/1986	शुक्र	26/12/2002	सूर्य	08/10/2017	चंद्र	11/12/2034
केतु	08/04/1979	शुक्र	03/07/1987	सूर्य	20/11/2003	चंद्र	07/02/2019	मंगल	20/01/2036
शुक्र	07/12/1980	सूर्य	08/11/1987	चंद्र	21/05/2005	मंगल	13/01/2020	राहु	26/11/2038
सूर्य	08/06/1981	चंद्र	08/06/1988	मंगल	08/06/2006	राहु	08/06/2022	गुरु	08/06/2041

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/06/2041		08/06/2058		08/06/2065		08/06/2085		08/06/2091	
08/06/2058		08/06/2065		08/06/2085		08/06/2091		00/00/0000	
बुध	04/11/2043	केतु	04/11/2058	शुक्र	07/10/2068	सूर्य	25/09/2085	चंद्र	08/04/2092
केतु	01/11/2044	शुक्र	04/01/2060	सूर्य	08/10/2069	चंद्र	27/03/2086	मंगल	07/11/2092
शुक्र	02/09/2047	सूर्य	11/05/2060	चंद्र	08/06/2071	मंगल	02/08/2086	राहु	09/05/2094
सूर्य	08/07/2048	चंद्र	10/12/2060	मंगल	07/08/2072	राहु	27/06/2087	गुरु	09/06/2094
चंद्र	07/12/2049	मंगल	08/05/2061	राहु	08/08/2075	गुरु	14/04/2088		00/00/0000
मंगल	05/12/2050	राहु	27/05/2062	गुरु	08/04/2078	शनि	27/03/2089		00/00/0000
राहु	23/06/2053	गुरु	03/05/2063	शनि	08/06/2081	बुध	31/01/2090		00/00/0000
गुरु	29/09/2055	शनि	11/06/2064	बुध	08/04/2084	केतु	08/06/2090		00/00/0000
शनि	08/06/2058	बुध	08/06/2065	केतु	08/06/2085	शुक्र	08/06/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 11 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।